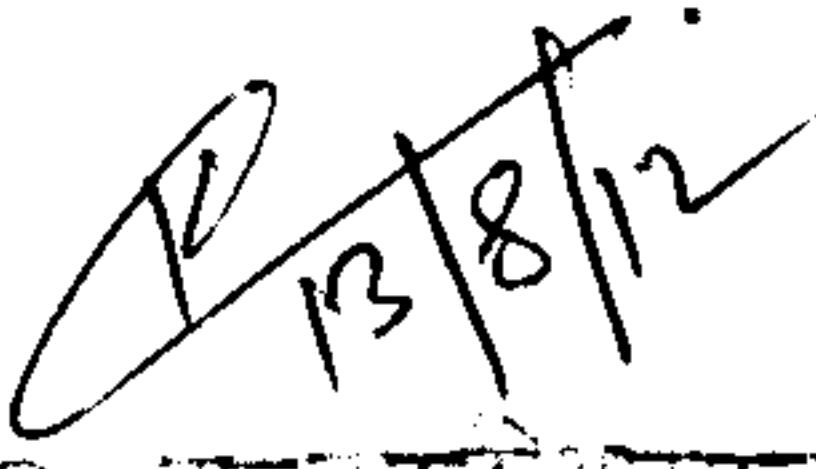
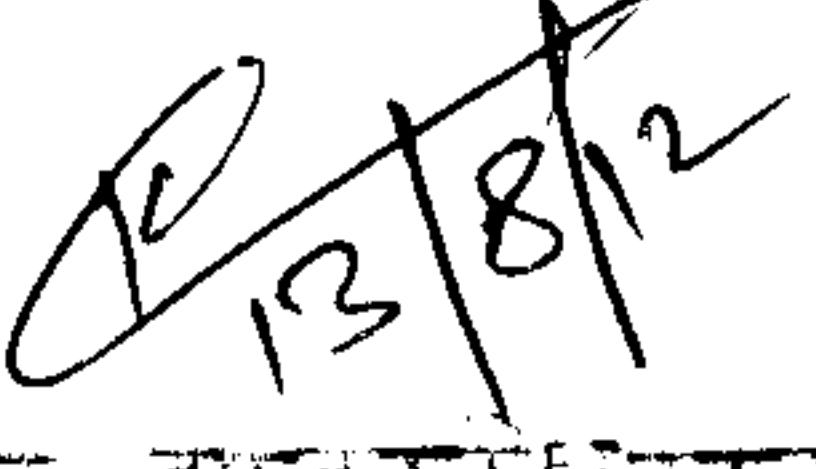


आदेश की क्रम-संख्या और तारीख 1	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर 2	आदेश पर की गई करवाई के बारे में टिप्पणी, तारीख के साथ 3
<p>13/ 8/ 12</p>	<p>न्यायालय- अनुमण्डल दण्डाधिकारी, अरवल ।</p> <hr/> <p>वाद सं- 434/ 11, धारा-145 द०प्र० सं० 213/ 12</p> <hr/> <p>सुदर्शन शर्मा बनाम देवलाल राम, वगैरह</p> <hr/> <p style="text-align: center;"><u>आ दे श</u></p> <p>यह वाद की कार्यवाही प्रथम पक्ष के द्वारा दाखिल आवेदन के आलोक में छाता सं०- 28, प्लॉट सं०- $\frac{117}{152}$, रकबा- 13 डी० में से $6\frac{1}{2}$ डी० जमीन उत्तर तरफ चौहद्दी उ०- नन्द कुमार सिंह, द०- हाजा प्लॉट, पूरब- राजगोपाल सिंह एवं पश्चिम- रामाकान्त शर्मा मौजा- सोहसा, थाना- मेहीन्दया, जिला- अरवल की भूमि पर प्रारम्भ किया गया है ।</p> <p>प्रथम पक्ष का कहना है कि प्रश्नगत छाता- प्लॉट की भूमि प्रथम पक्ष की खीतयानी भूमि है तथा भूमि का डिमाण्ड प्रथम पक्ष के</p>	



आदेश की क्रम-संख्या और तारीख 1	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर 2	आदेश पर की गई करवाई के बारे में टिप्पणी, तारीख के साथ 3
	<p style="text-align: center;">-2-</p> <p>पिता के नाम - सभापति सिंह के नाम से कायम है और बिहार सरकार को राजस्व का भुगतान किया जाता है जो उक्त भूमि बँटवारा के आधार पर पंचनामा से $\frac{1}{2}$ अंश अर्थात् $6\frac{1}{2}$ डी० भूमि प्राप्त है।</p> <p>प्रथम पक्ष की ओर से दो साक्ष्य प्रस्तुत किया गया है। जिसमें एक स्वतंत्र गवाह एवं दूसरा स्वयं पक्षकार द्वारा प्रस्तुत किया गया है।</p> <p>प्रथम गवाह अपना परीक्षण ब्यान में कहते हैं कि रकबा-13 डी० में प्रथम पक्ष को $6\frac{1}{2}$ डी० भूमि हिस्सा में है। एवं उक्त भूमि पर प्रथम पक्ष का ही कब्जा है। द्वितीय पक्ष का कभी दखल-कब्जा नहीं रहा है। विपक्षी बेईमान, लौत एवं झगड़ालू हैं। दूसरा गवाह- स्वयं पक्षकार ने भी उक्त भूमि छितयानी बताते</p>	

आदेश की क्रम-संख्या और तारीख 1	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर 2	आदेश पर की गई करवाई के बारे में टिप्पणी, तारीख के साथ 3
	<p style="text-align: center;">-3-</p> <p>बताते हैं। एवं दखल-कब्जा भी स्वीकार करते हैं। विपक्षी तनाव बनाये हुए हैं।</p> <p>प्रथम पक्ष द्वारा कागजी प्रमाण के रूप में वर्ष-2011-12 का मालगुजारी रसीद की छाया प्रति दाखिल किये हैं। जो प्रथम पक्ष के पिता-सभापति सिंह, पिता-शतक सिंह के नाम से कायम है।</p> <p>इस प्रकार यह स्पष्ट है कि प्रश्नगत भूमि पर प्रथम पक्ष का दखल-कब्जा है जो विपक्षी तंग-तबाह करना चाहते हैं। अतएव प्रथम पक्ष के दखल-कब्जा को देखते हुए प्रश्नगत भूमि पर प्रथम पक्ष का दखल-कब्जा घोषित किया जाता है। आदेश से विज्ञा अधकता को अवगत कराये एवं आदेश की प्रति संबंधित धानाध्यक्ष को भेजे लेखापित एवं संशोधित</p> <p style="text-align: center;">  13/8/12 कार्यपालक दण्डाधिकारी, अरवल । </p> <p style="text-align: center;">  13/8/12 कार्यपालक दण्डाधिकारी, अरवल । </p>	